छत्तीसगढ़ में 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा ज़िले** में चार नाबालिगों सहित दस **नक्सलियों** ने आत्मसमर्पण किया।

मुख्य बिंदु:

- पुलिस द्वारा जून 2020 में शुरू किये गए **'लोन वर्राटू' यानी अपने घर वापस लौटो अभियान** के तहत अब तक ज़िले में कुल 815 नक्सलियों ने हिंसा छोड़ दी है।
- **लोन वर्राटू:**
  - **इस अभियान का मतलब है 'घर वापस आओ ('Come back home')।**
  - यह अभियान उन नक्सलियों के लिये शुरू किया गया था जो **लाल आतंक (Red Terror)** का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते थे। इस अभियान के तहत कई **नक्सलियों ने आतंकवाद का रास्ता** छोड़ दिया है।

नक्सलवाद

- **नक्सलवाद** शब्द का नाम पश्चिम बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी से लिया गया है।
- इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिसने भूमि विवाद पर एक किसान की पिटाई की थी।
- यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी **भारत में छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्रप्रदेश** जैसे राज्यों के कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया।
- वामपंथी उग्रवादी (LWE) विश्व भर में माओवादियों और भारत में **नक्सली** के रूप में लोकप्रिय हैं।
- **उद्देश्य:**
  - वे **सशस्त्र क्रांति** के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और **माओवादी सिद्धांतों** पर आधारित एक **कम्युनिस्ट राज्य** की स्थापना का समर्थन करते हैं।
  - वे राज्य को **दमनकारी, शोषक** और सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग के हितों की सेवा करने वाले के रूप में देखते हैं, वे सशस्त्र संघर्ष एवं जनयुद्ध (People's War) के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक शिकायतों का समाधान करना चाहते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ten-naxalites-surrender-in-chhattisgarh